हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, रविवार 21 अप्रैल 2024

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

संसदीय क्षेत्र मंडला में कुल 72.84 प्रतिशत हुआ मतदान

मण्डला। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के लिए मंडला संसदीय क्षेत्र की सभी आठ विधानसभा क्षेत्रों में 19 अप्रैल 2024 को शांतिपूर्ण रूप से मतदान संपन्न हुआ है। संसदीय क्षेत्र के कुल 21 लाख 1 हजार 811 मतदाताओं में से 15 लाख 30 हजार 861 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 7 लाख 73 हजार 460 पुरूष एवं 7 लाख 57 हजार 387 महिलाएं तथा 14 अन्य मतदाता शामिल हैं। संसदीय क्षेत्र मंडला में कुल 72.84 प्रतिशत हुआ मतदान हुआ है। इस संबंध में जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार शहपुरा विधानसभा में कुल 2 लाख 71 हजार 83 मतदाताओं में से 1 लाख 96 हजार 409 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 98 हजार 852 पुरूष एवं 97 हजार 556 महिलाएं तथा 1 अन्य मतदाता शामिल हैं। डिण्डौरी विधानसभा में कुल 2 लाख 50 हजार 201 मतदाताओं में से 1 लाख 90 हजार 30 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 95 हजार 484 पुरूष एवं 94 हजार 543 महिलाएं तथा 3 अन्य मतदाता शामिल हैं। बिछिया विधानसभा में कुल 2 लाख 63 हजार 111 मतदाताओं में से 1 लाख 88 हजार 400 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 93 हजार 307 पुरूष एवं 95 हजार 92 महिलाएं तथा 1 अन्य मतदाता शामिल हैं। निवास विधानसभा में कुल 2 लाख 68 हजार 661 मतदाताओं में से 1 लाख 99 हजार 332 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है, जिनमें 98 हजार 910 पुरूष एवं 1 लाख 422 महिला मतदाता शामिल हैं।

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने लिया दो मामलों में संज्ञान

क्यों कर रहे मरीजों को रेफर

*** टायलेट सफाई का मामला भी गर्माया।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग के सदस्य राजीव कुमार टण्डन ने विगत दिवस के विभिन्न समाचारो पत्रों में प्रकाशित प्रथम दृष्टया मानव अधिकार उल्लंघन के 'दो मामलों में संज्ञान' लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है। यह दोनों मामले मण्डला जिले के हैं। आयोग ने संबंधितों से जवाब मांगा है।

मण्डला जिले के 2 मामले जो समाचार पत्रों मे प्रकाशित हुए थे जिसमें प्रथम दृष्टया मानव अधिकार का उल्लंघन है ऐसे मामले को संज्ञान मे लेकर संबंधितों से जवाब मांगा है। इस बात की जानकारी कार्यालय प्रभारी म.प्र. मानव अधिकार आयोग-मित्र, शिकायत प्रकोष्ठ शाखा मण्डला के वरूण विकास नीखर ने दी है।

मरीजों को रेफर करने का खेल

मण्डला जिले के जिला चिकित्सालय एवं ग्रामीण क्षेत्र में संचालित स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजों को उपचार नहीं मिलने का मामला सामने आया है। डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता के अभाव में मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। डॉक्टर एवं स्वास्थ्य कार्यकर्ता सिर्फ अपनी औपचारिकता पूर्ण कर रहे है। जिस कारण मरीजों और लोगों को झोलाछाप डॉक्टर और प्राईवेट डॉक्टर से ईलाज कराने के लिये मजबूर होना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्र में लोगो का इलाज नहीं हो पा रहा है। वहीं जिला अस्पताल में डॉक्टर द्वारा उपचार की औपचारिकता पूरी करके मरीजों को रेफर कर दिया जा रहा है। जबकि अस्पताल में पूर्ण रूप से सुविधा एवं मशीनरी उपलब्ध है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, मंडला से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई के संबंध मे तीन सप्ताह में प्रतिवेदन मांगा है।

विद्यार्थियों से करा रहे टॉयलेट साफ

मंडला जिले के बिछिया विकासखंड के सिझौरा एकलव्य आवासीय बालक छात्रावास में प्राचार्य एवं हॉस्टल अधीक्षक द्वारा छात्रावास में पढ़ने वाले बच्चों से विद्यालय के छात्रावास का टॉयलेट साफ कराये जाने का मामला सामने आया है। छात्रावास में पहले भी बड़ी लापरवाही के मामले आ चुके है। जिसमें छात्रावास के निर्माण कार्यों को लेकर, स्कूल और छात्रावास की खरीदी और छात्रावास में अच्छी गुणवत्तां में भोजन, नाश्ता नहीं मिलने के भी मामले शामिल है। छात्रावास प्रबंधन और विभाग की बड़ी लापरवाही के चलते छात्रावास में पढ़ने वाले बच्चों को कई तरह की परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं कलेक्टर, मंडला से मामले की जांच कराकर की गई कार्रवाई के सम्बन्ध में तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

इस तरह के मामले लगातार प्रकाश में आते रहे हैं लेकिन कहने को तो मानवाधिकार आयोग के नाम से बहुत से संगठन इस समय संचालित है लेकिन इनके द्वारा इन मामलों में कितनी गंभीरता से काम किया जाता है यह नजर नहीं आया। यदि गंभीरता होती तो इस तरह के मामले लगातार प्रकाश में नहीं आ रहे होते। एक संगठन द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुये कार्यावाही की गई है वह स्वागत योग्य है लेकिन देखना होगा क्या परिणाम आता है।

शुष्क दिवस पर नशे में चूर पुलिस कर्मी ने की दबंगई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

संसदीय चुनाव के मतदान का दिन और इस दिन जो वाक्या प्रकाश में आया वह पुलिस बल के लिये शर्मसार करने वाला है। चुनाव के मद्देनजर जहां विभिन्न क्रियाकलापों पर शासन-प्रशासन की नजर होती है मतदान शांतिपूर्ण हो क्षेत्र में किसी तरह की विवादाष्पद परिस्थिति न निर्मित हो इसके मद्देनजर एक ओर शुष्क दिवस घोषित कर शराब के क्रय-विक्रय एवं सेवन पर प्रतिबंध लगाया जाता है शराब का क्रय-विक्रय न हो और किसी तरह के विवाद की स्थिति निर्मित न हो इसके लिये पुलिस बल की तैनाती की जाती है। अब यदि यही पुलिस बल के द्वारा नियमों की और कानूनों की अनदेखी की जाये तो उसे कितनी बड़ी चूक कहा जायेगा।

शुष्क दिवस पर नशे में चूर एक पुलिस कर्मी जिसके हाथ में अत्याधुनिक बंदूक भी है वह एक ढाबे के कर्मचारी को न केवल धमका रहा है बल्कि उसे गंदी-गंदी गालियाँ भी दे रहा है बेचारा ढाबे का कर्मचारी चुपचाप उस पुलिस कर्मी की दबंगई सहता नजर आ रहा है नशे में चूर उक्त पुलिस कर्मी के साथी उसे खींचकर अलग करने का अवश्य प्रयास कर रहे हैं लेकिन नशे में एवं अपनी नौकरी के दम पर दबंगई दिखाता वह पुलिस कर्मी बार-बार ढाबे के कर्मचारी को पकड़ रहा है और उसे धमका भी रहा है।

यह घटना मतदान दिवस यानि 19 अप्रैल की रात्रि का है जब पदमी स्थित प्रांजल ढाबे में एक कार आकर रूकती है और उसमें से कुछ पुलिस कर्मी जिनके हाथों में बंदूकें होती हैं नीचे उतरते हैं और ढाबे में जाकर चिकिन बनाने की मांग करते हैं ढाबा कर्मचारी द्वारा पैसे की मांग करने पर उसके साथ गाली-गलौच करने लगते हैं और उसे धमकाते भी हैं जैसे-तैसे साथ के पुलिस कर्मी इस नशे में चूर पुलिस कर्मी को ले जाने का प्रयास कर रहे हैं लेकिन बार-बार उक्त पुलिस कर्मी की दबंगता उसे कर्मी को धमकाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही। इसी दौरान ढाबे में बैठे किसी व्यक्ति ने इस पूरी घटना को मोबाईल में रिकॉर्ड कर लिया और जैसे ही यह वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हुआ मण्डला पुलिस निरीक्षक इस मामले को संज्ञान में लेते हुये इसकी जानकारी ली और उक्त पुलिस कर्मी जो कि 18वीं बटालियन शिवपुरी का है यहां चुनाव ड्यूटी में आया हुआ था उसे तत्काल प्रभाव निलंबित कर दिया।

20 किमी के बाद माँ नर्मदा बदलती है अपनी दिशा, माँ नर्मदा की उत्तरवाहिनी परिक्रमा की तैयारियां पूर्ण

*** परिक्रमावासियों के लिए जगह-जगह हुई व्यवस्थाएं।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

आज रविवार चैत्र शुक्ल त्रयोदशी में मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा शुरू की जाएगी। सुबह व्यास नारायण मंदिर किलाघाट से सुबह 5.30 बजे श्रद्धालु एकत्रीत होंगे। जहां संकल्प पूजन कराया जाएगा। सतखंडा घाट महाआरती से तट परिवर्तन सुबह 6.30 बजे कराया जाएगा। संगमघाट महाराजपुर में 7.30 बजे स्वल्पाहार के बाद आगे यात्रा बढ़ेगी। कारीकोन तिराहा में स्वागत होगा। घुंघरू वाले बाबा आश्रम मानादेही में सुबह 9.30 चाय बिस्किट की व्यवस्था की जाएगी। खेरमाई मंदिर स्कूल परिसर, सिलपुरा में दोपहर भोजन विश्राम रहेगा। श्री निर्भय आश्रम घाघा, शासकीय हायर सेकेंड्री स्कूल घाघा, पुरुषोत्तम दास आश्रम-घाघी, गर्म पानी कुंड-बबैहा, शास हाई स्कूल-ग्वारी में संध्या आरती, रात्रि भोजन व विश्राम की व्यवस्था की गई है। 22अप्रेल को घाघा-घाघी रात्रि विश्राम वाले यात्रियों का तट परिवर्तन किया जाएगा। कटरा, बिंझिया, उदय चौक आदि स्थानो में श्रद्धालुओं का स्वागत किया जाएगा। सोमवार की शाम को श्री व्यास नारायण मंदिर किलाघाट में यात्रा का समापन किया जाएगा।

उत्तवाहिनी परिक्रमा का विशेष महत्व है। पतित पावनी जगत तारिणी मां नर्मदा जिस स्थान पर उत्तर दिशा में प्रवाहित होती है, उस क्षेत्र को उत्तरवाहिनी क्षेत्र कहते हैं। स्कंध पुराण, मतस्य पुराण, वायु पुराण, पद्मपुराण और भृगु संहिता में वर्णित रेवाखंड के श्लोक में वर्णन आता है कि मार्कण्डेय मुनि जी ने युधिष्ठिर सहित पाण्डवों और कुछ देवताओं को उत्तर दिशा की ओर प्रवाहित हुई नर्मदा जी के स्थानों का महत्व कहा है। चैत्र मास में उत्तरवाहिनी मां नर्मदा परिक्रमा करने से सम्पूर्ण परिक्रमा का फल प्राप्त होता है। जिले में व्यासनारायण मंदिर व मां सरस्वती का प्रस्त्रवण तीर्थ से घाघी स्थान तक कुल 20 किलोमीटर तक उत्तर दिशा में मां नर्मदा बहती है उसके तुरंत बाद मां अपनी प्रवाह की दिशा बदल देती है।

मार्ग में पड़ेंगे कई तीर्थ स्थल

मार्ग में नर्मदा तट में कई तीर्थ स्थल पड़ेंगे। जिसमें सबसे पहले श्री व्यास

नारायण मंदिर है। मान्यता है कि व्यास नारायण मंदिर किसी काल में ऋषि वेद व्यास जी का आश्रम था और यह स्थान नर्मदा मैया के दक्षिण तट में स्थित था। आश्रम में भ्रमण करते हुये सप्तऋषियों का आगमन हुआ। वेद व्यास जी ने ऋषियों से भोजन प्रसादी ग्रहण करने का आग्रह किया, लेकिन दक्षिण तट पितृ तट होने के कारण ऋषियों ने मना कर दिया। तब वेद व्यास जी ने नर्मदा मैया को मार्ग बदलने का आग्रह किया लेकिन उन्होने नहीं माना। तब व्यास जी ने भोलेनाथ की आराधना व्यास नारायण के रूप में की तो भोलेबाबा प्रसन्न होकर नर्मदा मैया को अपना मार्ग बदलने को कहा। वेद व्यास जी ने अपने दंड से रेखा खींचते हुये, मैया को मार्ग बतलाया तब से व्यास जी का यह दंड व्यास दंड के रूप में बतलाया गया। प्रत्येक परिक्रमावासी आज भी यह दंड व्यास दंड के रूप में रखने का विधान है, जो कि महिष्मती मां नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा का आरंभ एवं समापन स्थल है।

त्रिवेणी संगम भी है यहां

माँ सरस्वती का प्रस्त्रवण तीर्थ (विष्णुपुरी) ग्राम पुरवा का भी श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा। यहां की मान्यता है कि नर्मदा मैया के तट पर अनेकों जल धारायें है जो किसी न किसी सनातन साक्ष्य की घटना के साक्षी हैं लेकिन विष्णुपुरी में ज्ञान की देवी माँ सरस्वती ने स्वयं ज्ञान की आराधना की, जिसके कारण यहां माँ सरस्वती का प्रस्त्रवण तीर्थ कहलाया। महिष्मति माँ नर्मदा उत्तरवाहिनी परिक्रमा किला घाट से नाव द्वारा प्रस्त्रवण तीर्थ (विष्णुपुरी) पुरवा पहुंचेगी। मां सरस्वती जी की गुप्त धारा मां नर्मदा में मिलकर त्रिवेणी संगम बनाती है।

सहस्त्रधारा भी मार्ग में पड़ेगा

बताया गया कि महिष्मति नगरी निकट कार्तिकवीर्य सहस्त्रार्जुन की तपस्थली रही है जो आज सहस्त्रधारा के नाम से जाना जाता है, यहीं पर कार्तिकवीर्य अर्जुन ने भगवान भोले नाथ को प्रसन्न कर सहस्त्रार्जुन होने का वर प्राप्त किया। यह तीर्थ आज भी महिष्मति के गौरव कार्तिकवीर्य सहस्त्रार्जुन के तप को सनातन साक्ष्य के रूप में प्रमाणित करता है।

परिक्रमा की तैयारियाँ पूर्ण

माँ नर्मदा की उत्तरवाहिनी परिक्रमा का सामूहिक आयोजन 21 एवं 22 अप्रैल को होना है। परिक्रमा का प्रारंभ किले घाट स्थित व्यास नारायण मंदिर से होगी। घाघी तट पर रात्रि विश्राम के लिए समिति द्वारा तैयारियाँ की गई है। यहां पर नर्मदा भक्तों के भोजन उनके रूकने का इंतजाम किया गया है। वहीं दूसरे दिन सुबह निस्तार के लिए अस्थायी शौचालय बनाये गए है। जिससे परिक्रमा शामिल किसी भी परिक्रमावासियों को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

चुनाव | **पिछले दिनों लगातार बदलती रही स्थिति।**

मण्डला सीट पर कांटे की टक्कर

*** मोदी लहर के चलते भाजपा फायदे में।**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिले में मतदान प्रक्रिया सुबह 7 बजे से लेकर शाम 6 बजे संपन्न हुई। मतदान के दिन संसदीय क्षेत्र मण्डला के दोनो ही प्रत्याशियों ने सबसे पहले अपने गृह क्षेत्रों में पंहुचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मण्डला लोकसभा सीट हाई प्रोफाइल सीट मानी जा यही है। इस सीट पर बीजेपी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को

एक बार फिर टिकट दिया है। वहीं कांग्रेस ने ओमकार मरकार को सियासी मैदान में फतह हासिल करने भेजा है। दोनों ही प्रत्याशी में कड़ी टक्कर देखने मिल रही है। देखना होगा मण्डला कि जनता किस आदिवासी के सिर पर जीत का ताज सजाएगी। मण्डला में मतदान के प्रति मतदाताओं में अलग ही क्रेज देखने मिल रहा है। मण्डला लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हो चुका है। मध्य प्रदेश में पहले चरण में आज छह सीटों पर वोटिंग शुरू हो गई है, जिसमें एक मंडला लोकसभा सीट भी है। इस सीट पर बीजेपी से प्रत्याशी व पूर्व केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते और कांग्रेस प्रत्याशी ओमकार मरकाम के बीच सीधी टक्कर देखने मिलेगी। मण्डला लोकसभा सीट पर सभी की नजरें हैं। राजनीतिक विशेषज्ञों की मानें तो फग्गन सिंह की जीत में मोदी फैक्टर काम कर सकता है, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि विधानसभा चुनाव में इसी फैक्टर ने काम नहीं किया था। विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी बीजेपी ने फग्गन सिंह कुलस्ते पर दोबारा भरोसा जताया और उन्हें मंडला से टिकट दी। इसकी वजह है कि मण्डला आदिवासी इलाका है और फग्गन सिंह कुलस्ते आदिवासी समुदाय से आते हैं। ज्ञात हो फग्गन सिंह कुलस्ते आठवीं बार चुनावी मैदान में उतरे हैं। इस लोकसभा क्षेत्र से वे छह बार जीत हासिल कर चुके हैं। फग्गन सिंह कुलस्ते को साल 2009 में कांग्रेस प्रत्याशी बसोरी सिंह मसराम के हाथों हार मिली थी। इसके बाद 2023 विधानसभा चुनाव में भी फग्गन सिंह कुलस्ते को पराजय स्वीकार करनी पड़ी थी। जबकि साल 2014 में ओमकार मरकाम को कुलस्ते के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। मण्डला सीट पर चुनाव प्रचार के लिए दोनों ही पार्टियों ने एड़ी चोटी का जोर लगाया है। सीएम मोहन यादव से लेकर प्रदेश स्तर के नेताओं ने कई सभाएं की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी यहां चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कुलस्ते के पक्ष में वोट मांगा है। जबकि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष से लेकर सांसद राहुल गांधी ने ओमकार मरकाम के पक्ष में सभा की थी। इस दौरान कांग्रेस को काफी किरकिरी का सामना करना पड़ा था। राहुल गांधी की सभा में पोस्टर में कांग्रेस प्रत्याशी की फोटो की जगह पर बीजेपी प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते की फोटो लगा दी थी जिसे बाद में छिपाया गया। वहीं यह घटना सोशल मीडिया से लेकर नेशनल टेलीविजन पर छाई रही थी।

न्यू जर्सी प्री स्कूल में दुर्गा महोत्सव का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मण्डला

जिला पंचायत के पास शर्मा लॉन के पीछे संचालित न्यू जर्सी प्री स्कूल में 20 अप्रैल को माँ दुर्गा महोत्सव का आयोजन किया गया। यहां पर अध्ययनरत बच्चें ने मां दुर्गा के नौ स्वरूप धारण किए। स्कूल की प्राचार्या श्रीमति सीता परतेती ने बताया कि यहां पर स्कूली बच्चों शनाया ने लक्ष्मी जी, आरवी ने माता सरस्वती, लितीक्षा ने चंद्रघंटा, हर्षिका ने कालरात्रि, आन्या ने कुष्मांडा, दर्शी ने ब्रम्हचारिणी, आरोही ने सिद्धिदात्री, विदेही ने कात्यायनी, टियाना ने महागौरी, आरवी तिवारी ने शैलपुत्री, मेहर ने स्कंदमाता, वियुस्टी ने माता दुर्गा जी के स्वरूप में नजर आई। वहीं संचालिका ने संतो व समाजसेवियों का पुष्पगुच्छ व शॉल श्रीफल से स्वागत किया। इसके पश्चात सभी संतो व उपस्थितजनों ने स्कूल का भ्रमण किया। जहां नन्हे मुन्ने बच्चों ने विभिन्न प्रकार की झांकियों का प्रदर्शन करते हुए सभी का मन मोह लिया। इस दौरान शिक्षिका अनुष्का दुबे, रूपाली कछवाहा, कशिश रहदवानी, केयर टेकर गायत्री परस्ते सहित अन्य शिक्षिका व स्टॉफ मौजूद रहा।

नगर की सेठानी माई के विसर्जन जुलूस में सड़को पर उमड़ा जन समूह

नौ दिन नो माई दसम दिन विदाई लो चली मोरी माँ.....के स्वरों के साथ सालीचौकावासियों द्वारा

नम आंखों से दी राधा कृष्ण मंदिर में स्थापित 501 घट जवारों को विदाई

सालीचौका। इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि जब भक्तों द्वारा मातारानी की 9 दिनों तक सेवा करते हुये आराधना की जाती है और उनकी विदाई का समय आता है तो उनकी आंखे नम होने से नही चूक पाती है। कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये शनिवार को सालीचौका में उस समय देखने मिली जब नगर की सेठाई माई के विदाई का पल आया और लोगों की आंखों में मातारानी से जुदाई का मंजर अपने आप ही फूटते हुये नजर आने से नही चूक रहा था। ज्ञात हो कि नगर के राधाकृष्ण मंदिर पर हर साल की तरह स्थापित किये गये 501 घट कलश के साथ माँ दुर्गा की प्रतिमा के चलते सालीचौका वासियों द्वारा इसे नगर की सेठानी माई का नाम देते हुये लगातार 9 दिनों तक पूजन अर्चन किया गया। प्रतिदिन देखा जाता था कि जब शाम के वक्त मातारानी की आरती का समय होता था तो नगर के लोग एकत्र होकर जगत जननी की आराधना में इस तरल लीन नजर आते थें कि जो भी भक्त माता रानी के समझ आरती की थाल घुमाता था के शरीर में अपने आप ही भाव आने से नही चूक पाते थें। इसी के चलते मातारानी की आराधना के चलते आने वाले भावों के बीच महिला पुरूष जहां नृत्य करते हुये देखे जाते थें। वही जगत जननी की होने वाले आरती के स्वर सालीचौका सहित आसपास के क्षेत्र में गूंजने के चलते संपूर्ण क्षेत्र का महौल लगातार 9 दिनों तक धर्ममय होने से नही चूक पाया था। मगर जब बीते हुये शनिवार को मातारानी की विदाई का समय आया तो लोगों के आंखों में जगत जननी से जुदा होने की मंजर अपने आप ही ऊभर का दिखाई देना शुरू हो गया था और जब दुर्गा प्रतिमा सहित 501 जबारा कलशों का विसर्जन शुरू होने के बीच लोगों के कानों में नौ दिन नो माई दसम दिन बिदाई लो चली मोरी माँ...के स्वर गूंजे तो लोग रोने से नही चूक पा रहे थें। इस तरह नगर की सेठानी माई के जबारा कलश का भव्य जुलूस बडे ही धूमधाम के साथ निकाला गया। वही दूसरी ओर जबारा कलश विसर्जन में जब अपने सिर पर घट कलश लेकर महिलाये नगर की सड़को पर निकली तो अनोखा मनोरज दृश्य दिखाई देने लगा। वही दूसरी ओर जबारा विसर्जन जुलूस में शामिल पंडाओं का हाल तो इस तरह देखने मिल रहा था कि वह मातारानी का नाम लेकर जिस तरह अपने गालों में आर पार त्रिशूल करने के साथ लोहे की कील युक्त देवी के खाडऊ रूपी पटरी पर नृत्य करने से नही चूक रहे थें। इस तरह शनिवार को नगर की सेठानी माई के विसर्जन जुलूस के दौरान सबसे आकर्षण का केन्द्र वह देवी भक्त पंडा रहे जो अपने गालों के आरपार किये गये त्रिशूलों के बीच पालकी बनाकर देवी स्वरूपा कन्या को उस पालकी में बैठाकर चल रहे थें। इस तरह बताया जाता है कि नगर सालीचौका राधा कृष्ण मंदिर पर जवारों की स्थापना बीते हुये 11 वर्षो से लगातार की जा रही है उसमें संपूर्ण नगर के लोगों द्वारा 9 दिनों तक मातारानी की आराधना में मग्न होते हुये देखे जाते है। वैसे तो शरद में पड़नी वाली नवरात्र के दौरान हर जगह देवी प्रतिमाओं की स्थापना की जाती है। मगर हमारे यहां चैत्र नवरात्र में जबारों के साथ साथ देवी प्रतिमा की स्थापना करते हुये उनकी पूजन अर्चन किया गया। वही दूसरी ओर जब इन जबारों कलश का विसर्जन होता है कि तो नगर की गलियों को लोगों द्वारा ठंड जल से संचाई करने के साथ जिन लोगों के घरों के सामने से यह विसर्जन जुलूस निकलता है वह बडे ही श्रद्वा भाव के साथ सुख समृद्वि की कामना के साथ मातारानी की पूजन करते हुये देखे जाते है। इस तरह यह 501 कट जबारा विसर्जन जूलुल अपने स्थापना स्थल से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गो से निकलते हुये नगर की रखवारी करने वाली माँ खेरापति के मंदिर पहुंचा। इसके बाद विशाल कन्या भोज के उपरांत आयोजित हुये भंडारे में सकडो की समय में भक्तों ने पहुंचकर प्रसादी ग्रहण की गई। सालीचौका में चैत्र नवरात्र के दौरान आयोजित होने वाले इस भव्य कार्यक्रम के संबंध में जब लोगों से चर्चा की गई तो नगर के शिरीष पाटकार का कहना है कि हम नगरवासियों के लिये यह बडा सौभाग्य है कि हम लोगों को 9 दिनों तक मातारानी की आराधना करने का अवसर मिलता है। इस तरह नगर में बीते हुये 11 वर्षो से राधा कृष्ण मंदिर में स्थापित होने वाले जबारे हम सालीचौका वासियों के लिये माँ जगत जननी की आराधना का आर्शीवाद होता है। इसी प्रकार से नगर के टिंकू राय का कहना है कि जब चैत्र नवरात्र आने की अवसर होता है कि तो नगर का हर व्यक्ति इस बात को लेकर इंतजार करते हुये देखा जाता है कि हमें अब 9 दिनों तक माँ जगदम्बे की आराधना व सेवा करने का असवर मिलेगा। इस तरह नगर के राधाकृष्ण मंदिर पर स्थापित होने वाले जबारे व मातारानी की प्रतिमा को हम लोगों द्वारा नगर की सेठानी माई का नाम इसलिये दिया गया है कि जिस तरह किसी घर का मुखिया का दायित्व होता है कि वह कीतनी बड़ी परेशानी क्यो न हो उसका निदान व सामना खुद ही कर लेता है। मगर अपने परिवार पर उसकी आंच नही आने देता है। इस प्रकार से नगर की सेठानी माई भी हम सालीचौकावासियों की रक्षा करने में कोई कसर नही छोड़ती है। वह अपने बच्चों की रक्षा के लिये सदा ही अपना आर्शीवाद रूपी हाथ हम लोगों के सिर की ऊपर रखे रहती है। नगर की मनीषा वर्मा का कहना है कि वैसे तो चैत्र नवरात्रि पर मैंने अपना पूरा ध्यान मॉ दुर्गा की आराधना, उपासना में लगा दिया था। मगर नगर की सेठानी माई के जवारा विसर्जन जुलूस में मुझे घट कलश रखने का जो सौभाग्य मिला है उससे आज मुझे ऐसा लग रहा है मुझे पूरी तरह आत्म शांति मिल गयी है। क्योंकि माँ भवानी जहां अपने हर भक्त की संकटों से रक्षा करने वाली होती है वही उनकी आराधना का परिणाम यह होता है कि भक्त का परिवार कभी संकटों से नही घिरता है। वही श्रीमति रोशनी लोधी का कहना है कि मॉ दुर्गा ऋद्धि, सिद्धि प्रदान करने वाली है और भक्तों का कल्याण करने सदा तत्पर रहती है। वैसे तो मैने चैत्र नवरात्रि के पूरे नौ दिनों तक मैने बडे ही श्रद्वा के साथ नगर की सेठान माई मॉ दुर्गा की पूजन की गई। वही जब आज उनकी बिदाई बेला आई तो मुझे उनके विसर्जन जुलूस में शामिल होने का सौभाग्य जरूर मिला मगर मातारानी से जुदा होने का दुख मेरी आंखों में आंसूओं के रूप में ऊभर कर सामनेआने से नही चूक पा रहा है। मेरे द्वारा माँ भगवती से यही कामना है कि वह क्षेत्रवसियों पर सदा अपनी कृपा रखते हुए किसी भी संकट को आने के पहले ही उसे यहां से भगाने हेतु हम भक्तों की रक्षा कवच बनाकर शक्ति प्रदान करे।

परेशानियों से जूझ रहे क्षेत्रवासियों को अनेक संकटों से जूझना पड़ रहा है

हरिभूमि न्यूज/ सांईखेड़ा। भले ही सरकार द्वारा आम लोगों के हितों को ध्यान में रखते हुए अनेक प्रकार की योजनाएं चलाते हुए लगातार विकास के बादे किये जा रहे है, मगर यदि सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की सच्चाई पर जाया जावे तो वह योजनाएं कागजो तक ही सीमित नजर आने से नही चूक रहे है तथा इसी के चलते शासन द्वारा चलाई जा रही संपूर्ण योजनाओं पर प्रश्न चिन्ह लगने से नही चूक रहा है? इस बात की सच्चाई जनपद पंचायत सांईखेड़ा क्षेत्र के तहत आने वाले अनेक ग्रामों में ग्रामीणजन मूल भूत सुविधाओं से वंचित हैं, ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के बाद भी ग्रामीणजन रोजगार की तलाश में पलायन को मजबूर हैं? क्योंकि ग्रमीणों की समस्या के समाधान के लिये ना तो अधिकारी पहल कर रहे हैं और ना ही जनप्रतिनिधि, इसी वजह से ग्रमीणों को शासकीय राशन दुकानों से खद्यान्न, कैरोसीन, शक्कर, पेयजल के साथ-साथ स्वास्थ्य जैसी आम सुविधाओं के लिये भी कठिनाइंयों का सामना करना पड़ रहा है? ग्रामों को जोड़ने वाली सड़के जीर्णशीर्ण अवस्था में हैं। लेकिन इनकी मरम्मत के लिये कोई कारगर कदम नहीं उठाये जा रहे हैं, वही देखा जावे तो वर्तमान स्थिति में क्षेत्र के अनेक ग्रामों में हैंडपंप बिगड़ी हालत में पड़े हें और कुछ दूषित पानी उगलते हैं, जिसे ग्रामीणजनों को निस्तार के साथ साथ पीने के उपयोग में भी लाना पड़ता है, ग्राम्यांचलों में पढ़ने वाले बच्चों के लिये भी शाला भवन तो बन गये हैं मगर उनमें शिक्षकों का टोटा है, शिक्षकों की कमी होने से गरीब बच्चें अपनी आगे की पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते है खैर अभी तक स्कूल बंद चल रहे है? मगर शिक्षण सत्र के दौरान देखा जाता हे कि क्षेत्र की अनेक शालाओं में पदस्थ शिक्षक शिक्षिकायें मनमाने ढंग से अपने गृहनगर से समय बेसमय आना जाना करते है, जिसकी जानकारी विभागीय अधिकारियों को भी रहती है। परंतु वे जानते बूझते इस ओर ध्यान नहीं देते है जिसका परिणाम है कि क्षेत्र में बच्चों की पढ़ाई का स्तर गिर रहा है? वही शालाओं के बच्चों को पौष्टिक मध्यान्ह भोजन भी सिर्फ कागजो तक ही सिमित नजर आता है? जिसमें देखा जावे तो कुछ शालाओं की स्थिति इस प्रकार से रहती है कि मध्यान्ह भोजन की मात्र रस्म अदायगी ही साबित हो रही है।

खबर संक्षेप

क्षेत्र में लगातार बढ रहे नशे के काले कारोबार पर अंकुश लगना जरूरी

सालीचौका। शराब के बाद शहर में अन्य नशीली चीजो की बिक्री में इजाफा होने से युवा पीढ़ी बर्बाद होने की कगार पर आने लगी है? नगर में आसानी से मिलने वाली महॅगी सिगरेटो के फूॅकने के दौरान युवाओं, किशोरो का लगभग नियमित मदिरा पान करने से घरो का माहौल बिगड़नें की जहां शुरूआत हो गयी है, वही शहरवासी भी शहर के युवाओं के भविष्य को लेकर चिंतित नजर आने लगे है, भरोसे मंद सूत्रो के अनुसार इन दिनों नशे के कारोबार में नया मोड़ आ गया है तथा तत्वो द्वारा स्मैक तथा अन्य ऐसे नशीले पदार्थ भी बेचे जाने लगे है? जिनका उपयोग युवाओं के घातक है, मगर इसके बाद भी बताया जात है कि इन पदार्थो का पहली बार प्रयोग करने के बाद गरीब, युवा इसके आदी हो जाते है और इन नशीली चीजो के न मिलने से उनका शरीर छटपटाने लगता है, विदित हुआ है कि आजकल युवक बेधड़क नशीली दवाओं व इंजेक्शनों का इस्तेमाल कर रहे है

जंगल क्षेत्र में स्थापित हो रहे उद्योगों के चलते वन्य जीवों की जिन्दगी आई खतरे में

गाडरवारा। जहां गाडरवारा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चीचली जंगल पट्टी सहित गोटीटोरियाँ क्षेत्र में अनेक प्रकार के जंगली जानवार निवास करते है, वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो चीचली क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में राष्ट्रीय पक्षी मोर सहित हिरण, बारह सिंगा, मृगा के आलवा इस प्रकार के अनेक जीव निवास करते हुए देखे जाते है जो जरा से भी शोर गुल के कारण भयभीत होने से वह यहां वहां भटकने लगते है, जिसके कारण उनकी जिन्दगी खतरे में पड़ जाती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय चीचली क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते भी देखने मिल रही है? बताया जाता है कि इस क्षेत्र में स्थापित होने जा रहे उद्योगों के चलते लगातार हो रहे शोर गुल के चलते जहां यहां पर निवास करने वाले हिरण, बारह सिंगा, चीतल मोर लगातर यहां वहां पर भटकते हुए दिखाई दे रहे है।

किसी दिन बड़ी घटना का कारण साबित होगी शहर के अंदर रहवासी क्षेत्र में संचालित कबाड़ दुकानें....

गाडरवारा। इस समय नगर में जहां तहां फैली हुई कबाड़ की दुकानों की सच्चाई किसी से छिपी नही है जिन पर जहां खुलेआम चोरी का समान खरीदने के साथ साथ अन्य सच्चाई आये दिन पुलिस द्वारा की जाने वाली कार्यवाही में सामने आती जा रही है? क्यों के कबाड़ के कारोबार के चलते जहां कबाड़ी चंद दिनों में लखपति बन रहे है और इसी का परिणाम है कि यह कारोबार शहरों के साथ साथ अब गांवों में फैल रहा है, जिन पर जिस प्रकार की सामग्री खरीदी जाती है उसको पुलिस प्रशासन से लेकर क्षेत्र की आम जनता भी अच्छे से जान चुकी है? इसके आलवा नगर के अंदर जहां तहां संचालित होने वाली इन कबाड़ दुकानों के चलते नगर के साथ साथ आस पास निवास करने वालो लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बजते हुए देखी जा रही है? बताया जाता है कि इन दुकानों पर कबाड़ के रूप में खरीदा गया प्लास्टिक की सामग्री इस प्रकार से होती है कि यदि उसमें जरा सी आग लग जावे तो उसे काबू में कर पाना मुश्किल ही नही बल्कि नामुकिन हो सकता है जिसके कारण कबाड़ दुकान के साथ साथ यह आग संपूर्ण क्षेत्र को अपने आकोश में लेने चंद मिनिट ही काफी हो सकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुए वर्ष उस समय देखने मिल चुकी है जब नगर के वायपास मार्ग व पेट्रोल पंप के पीछे संचालित होने वाले एक कबाड़ दुकान में देखा गया जब रात के समय अचानक आग लग जाने के कारण चंद मिनिट में ही आग ने अपना विकराल रूप ले लिया गया, वह तो अच्छा यह हुआ की इस आग पर तुरंत काबू पा लिया गया नही तो पता नही नगर में क्या स्थिति निर्मित हो जाती इसकी कल्पना करना भी मुश्किल है? क्योंकि जहां इस घटना स्थल से पेट्रोल पंपों की दूरी चंद कदम पर थी वही यह संपूर्ण क्षेत्र रहवासी माना जाता है जिसके चलते लोगों की जान पूर्णरूप से खतरे में नजर आने लगी थी? इस घटना को देखते हुए लोगों का कहना है कि इस प्रकार से नगर के अंदर रहवासी क्षेत्रों सहित स्कूलो व अन्य रहवासी क्षेत्रों में संचालितहो रही है जिसके चलते वहां पर रहने वाले लोगों को खुलेआम खतरे की घंटी बजाते हुए जान पड़ रही है, इस प्रकार से नगर के अंदर जहां तहां रहवासी क्षेत्रों में कबाड़ खानों की भरमार देखी जा रही है जहां पर कबाड़ के रूप में एकत्र किये गये प्लास्टिक सामग्री का अम्बार लगा हुआ है जिसके चलते लोगों की जान खतरे से खाली नही देखी जा रही

है? आमजन द्वारा शासन प्रशासन से मांग करते हुए कहा गया है कि इस प्रकार से संचालित होने वाले कबाड़ खानों को शहर के बाहर खुले मैदान में संचालित करने के आदेश जारी किये जावे जिससे लोगों की जान खतरे से बाहर आ सके? यदि समय रहते प्रशासन द्वारा इस प्रकार के कबाड़ खानों पर ध्यान नही दिया गया तो किसी दिन बड़ी घटना घटित होने से इंकार नही किया जा सकता है।

इससे बढ़कर और कहा हो सकती है माँ की ममता

गाडरवारा। कहा जाता है कि जब अपना बच्चा भोजन कर रहा हो और दूसरा किसी का बच्चा भूखा रहते हुए उसके मुंह की ओर ताके तो कोई भी माँ का दिल पसीजने से नही रह सकता है? यह सच्चाई भले ही मानव में देखने ने मिले मगर मूक पशुओं में जरूरी देखी जा सकती है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई नगर के रेल्वे स्टेशन क्षेत्र में उस समय देखने मिली जब एक गाय अपने बच्चें को दूध पिला रही थी इसी दौरान गाय के बच्चें के ही हम उम्र बच्चें अपने साथी को दूध पीते हुए देखकर अपनी माँ को याद करने लगे, और शायद इस नजारा गाय माता से देखा नही गया होगा जिसके चलते उसने अपने बच्चें के साथ अन्य दो बच्चों को भी दूध पिलाना शुरू कर दिया गया, जिसके चलते जब लोगों ने एक गाय का एक साथ तीन बछड़ो को दूध पीते हुए देखा गया तो वह इस माँ की ममता को नमन करने से नही चूके। वही इस प्रकार जहां गाय माता ने माँ की ममता का उदाहरण देते हुए मानव जाति को हैरत में डाल दिया गया, वही दूसरी ओर इस बात का संदेश भी दे दिया गया कि माँ से बढ़कर दूसरा प्रेम इस दुनिया में कही नही मिल सकता है।

ईद मिलन समारोह के दौरान दिया गया मतदाता जागरूकता का संदेश

गाडरवारा

स्थानीय निरंजन वार्ड में बीते हुये दिवस फैजाने ताजुल औलिया मदरसा एवं मुस्लिम समाज द्वारा शहर के नागरिकों की उपस्थिति में एकता भाईचारे का संदेश देते हुए ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया । इस अवसर पर बड़ी संख्या में सभी वर्गों के लोग उपस्थित हुए और मीठी सेवइयों का आनंद लेते हुए एक दूसरे से गले मिलकर ईद मिलन समारोह को कामयाब बनाया । वरिष्ठ समाज सेवी राव पवन सिंह ने ईद मिलन कार्यक्रम में खुशी का इजहार करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन होते रहने चाहिए । एडवोकेट एच व्ही रफीक ने कहा कि हमारा नगर गंगा जमुना तहजीब का नगर है नगर की फ़िज़ा ही प्रेम रूपी है । समाजसेवी रवि शेखर जायसवाल, नेतराम कुशवाहा ने भी ईद मिलन कार्यक्रम की सराहना की । जामा मस्जिद के पेश इमाम मदरसा के संचालक हाफिज जुबेर आलम साहब , जामा मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष अबरार खान, पूर्व अध्यक्ष महमूद पहलवान ने उपस्थित सभी अतिथियों का दिली इस्तकबाल किया । ईद मिलन समारोह में हंसराज मालपानी, ,पुखराज पांडेय, अनिल गुप्ता, रवि खजांची, हाजी नायाब अली, हसीब खान, नजीर खान, बसंत तपा, सत्तार खान, मुकेश गुप्ता बंटू, सुनील राजपूत अब्दुल फिरोज खान, चंदन साहू, शेख शब्बीर, रमजान खान, आजम खान आशिक हुसेन, राजुल जायसवाल, फिरोज फिजा,मोनू खान, शेरू मिस्त्री, सन्नू शाह, सहित सभी वर्ग के लोग उपस्थित थें। इस दौरान आने वाले लोकसभा चुनाव में मतदान करने के लिये लोगों को जागरूक करते हुये कहा गया कि हर व्यक्ति की एक वोट कीमती होती है। क्योंकि वह वोट देश व क्षेत्र का भविष्य बनाने से नही चूकती है। इसलिये हर मतदाता आने वाले 26 अप्रैल को अपना वोट जरूर डाले।

पेडों के नीचे भवनों का निर्माण होने की सच्चाई को प्रशासन द्वारा नजरअंदाज करना बन जाता है परेशानी का कारण..?

गाडरवारा। अक्सर देखा जाता है कि जब लोगों के रहवासी आवास हो या फिर दुकान व अन्य किसी भी प्रकार का भवन उसके आसपास लगे हुये पेड़ गिरने के कारण जहां आवासों को क्षति तो पहुंचती ही है साथ ही साथ कभी कभी लोगों की जानें भी जाने से नही चूकती है, इस स्थिति में इस प्रकार की घटनाओं के शिकारों द्वारा संपूर्ण दोष प्रशासन के ऊपर देते हुये मुआवजे की मांग करने से नही चूकते है? वही दूसरी ओर जब किसी व्यक्ति के घर चोरी सहित अन्य प्रकार की अपराधिक घटनाएं घटित होती है तो लोगों द्वारा उनके घरों के पास लगे हुये पेड़ों को दोषी बताते हुये यह बात कहते हुये सुना जाता है कि इस पेड़ के कारण ही उनके घर में यह घटना घटित हुई है यदि यह पेड़ नही होता तो निश्चित तौर से अपराधिक घटना को अंजाम देने वाले लोग उनके घर के अंदर प्रवेश नही कर पाते इस स्थिति में लोगों द्वारा वर्षो पुराने खड़े हुये उन पेड़ो को काटने के लिये आवेदन तक दिये जाने से नही चूकते है कुछ इसी प्रकार की सच्चाई बीते हुये कुछ वर्ष पूर्व नगर की बड़ी कपडा दुकान में हुई चोरी की घटना के बाद दुकान संचालक द्वारा दुकान के समीप खड़े हुये एक पेड़ को काटवाने के लिये अनुमाति प्रदान को लेकर मांग करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी? मगर अब सबाल यह उठ रहा है कि जब लोगों द्वारा इस तरह पेडो के नीचे निर्माण किया जाता है तो उस समय क्यों चुप्पी साध ली जाती है। इस तरह के नजारे नगर की बजरिया सहित अन्य जगहों पर देखने मिल सकते है जहां पर बीते हुये वर्षो से लेकर आज भी भवनों का निर्माण होते हुये देखा जाना आम बात होती चली जा रही है। इस सच्चाई को देखते हुये इस बात से इंकार तो नही किया जा सकता है कि किसी दिन निर्मित हो रहा यह भवन इस पेड़ की चपेट में आने से नही चूक पायेगा और यदि इस प्रकार से कोई घटना घटित होती है तो फिर इसका जिम्मेदार कौन होगा भवन निर्माण करने वाला व्यक्ति या फिर प्रशासन? क्योंकि इस प्रकार से पेड़ के नीचे निर्मित होने जा रहे भवन की सच्चाई को जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित तौर से आने वाली भविष्य में दुखदाई साबित होने से नही चूक पायेगी वही दूसरी ओर लोगों द्वारा इस प्रकार से पेड़ को लेकर उसे काटने की मांग करने से भी नही चूकेगी? जबकि समय रहते हुये यदि ध्यान दे दिया गया तो निश्चित तौर इस प्रकार भारी भरकम पेड़ो के नीचे निर्मित होने वाले भवनों पर शासन प्रशासन द्वारा रोक लगाते हुये आने वाली भविष्य की बड़ी घटनाओं को रोका जा सकता है।

दादा धूनी वालों की नगरी सांईखेड़ा में बस यात्रियों को गर्मी से बचने के लिए नहीं है कोई साधन

सांईखेड़ा। इस समय चल रही सूरज की तेज तपन के चलते जहां बस यात्रियों को परेशानी का सामना इसलिये करते हुये देखा जा रहा है क्योंकि भले ही सांईखेड़ा को तहसील का दर्जा मिलने के साथ साथ यहां पर नगर पंचायत, महाविद्यालय के आलवा अन्य सुविधाये मिल चुकी है मगर बस यात्रियों के लिये कोई ठोर ठिकाना नही मिल पाया है? इस तरह दादाधूनी वालों के नगर में बस स्टेन्ड के आभाव के चलते जहं बसयात्रियों को तपती हुई धूव तो बारिश के सीजन में भीगते हुये अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ता है। वही गर्मी के दिनों में तेज धूप के चलते खुले मैदान में खड़े होकर बसों का इंतजार करते हुए देखा जाता है, इस नगर में देखा जाता है कि बाहर से आने वाले यात्री पानी और छॉव की तलाश में इतने बडे नगर में किसी भी प्रकार से बस स्टेन्ड नही होने के कारण बस यात्रियों को सदा ही परेशान होते हुए आसानी से देखे जा सकते है? क्योंकि साईंखेड़ा में स्थाई बस स्टेण्ड एवं यात्री प्रतीक्षालय की सुविधा न होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि क्षेत्र की सच्चाई पर गौर किया जावे तो नर्मदा नदी के झिकोली पर पुल का निर्माण होने के कारण जहां यह क्षेत्र प्रदेश की राजधानी भोपाल से जुड़ गया है जिसके चलते यहॉ से प्रतिदिन गाडरवारा, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, सिलवानी, शाालाबरू,उदयपुरा, मेहरागॉव, सिरसिरी, रायसेन, भोपाल सहित अनेको यात्री बसे निकलते है एवं झिकोली के लिये लगभग 25 टायमिंग बसे निकलती है, परन्तु विभिन्न स्थानों के लिये जाने वाले बसयात्रियों को बसों के इंतजार के लिये सड़क पर पेड़ के नीचे या चाय पान की दुकानों पर बैठना पड़ता है। इस स्थिति में प्रमुख रूप से देखा जावे तो महिला बस यात्रियों के लिये ऐंसी स्थिति में सर्वाधिक परेशानी होती है, जिसमें यहां पर स्थापित ब्लाक कार्यालय, उत्कृष्ठ विद्यालय सहित महाविद्यालय की स्थापना हो जाने के कारण अनेक महिलाओं के आलवा छात्राओं द्वारा बसो के माध्यम से ही आना जाना किया जाता है। मगर वह बस स्टेण्ड पर न होने के कारण यहां वहां भटकते हुए देखी जाती है। वही दूसरी ओर न तो महिलाओं के लिए यहां पर शौचालय है और न ही प्रसाधन की कोई सुविधा है जिसके कारण सरकार द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान को भी ग्रहण लगने में कोई कसर बाकी दिखाई नही दे रही है। इस प्रकार के सच्चाई के चलते स्थानीय लोगो का कहना है कि यदि मवेशी बाजार क्षेत्र में यदि एक सुविधायुक्त बस स्टेण्ड बना दिया जाये तो नगरवासियों के लिये एक बड़ी सौगात मिल जायेगी, वही दूसरी ओर दूर दूर से आने वाले धूनी वाले दादा के भक्तों को भी सुविधा मिलेगी, जिसके चलते क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों से क्षेत्र के लोगों द्वारा जनापेक्षा व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई जा रही है।

खबर संक्षेप

कलेक्टर ने शांतिपूर्ण सफल मतदान कराने के लिए जिले के सभी मतदान कर्मियों को दी बधाई

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा ने मतदान दल की वापसी के दौरान व्यय प्रेक्षक विश्वास नडियाल और माइक्रोऑब्जर्वर के साथ मतदान के बाद की समीक्षा कर मतदान की जानकारी ली। मतदान दल की व्यवस्था, मतदान के दौरान की गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने सभी का कुशलक्षेम पूछा और सभी को सफल मतदान कराने के लिए बधाई दी।

कासा नदी में बने स्टाप डेम में डूबने से ग्रामीण की मौत

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले के शाहपुर थाना अन्तर्गत ग्राम बिजौरा निवासी 55 वर्षीय ग्रामींण की डेम के पानी में डूबने से मौत हो गई । पुलिस ने बताया कि मोहन सिंह परस्ते कासा नदी में बने स्टाप डेम में नहाने गया था । पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई । सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंच पंचनामा बनाकर शव का पीएम के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया । पीएम के बाद शव को परिजनो को सौप दिया । मर्ग कायम कर पुलिस जांच में जुट गई है।

सडक दुर्घटना में तीन युवक घायल

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला मुख्यालय निवासी तीन युवक सडक दुर्घटना में घायल होने पर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है । अस्पताल चैकी से मिली जानकारी के अनुसार निखिल 21 वर्ष, आयुष 20 वर्ष और अनिकेत उम्र 24 साल को घायल अवस्था में जिला चिकित्सालय लाया गया है, जहां उपचार जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जिले में हुआ 74.20 प्रतिशत मतदान

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। लोकसभा निर्वाचन के तहत प्रथम चरण के लिए मतदान प्रक्रिया संपन्न हुई। मंडला लोकसभा क्षेत्र क्रमांक 14 के तहत आने वाले विधानसभा क्षेत्र शहपुरा क्रमांक 103 और डिंडोरी क्रमांक 104 में सफलतापूर्ण मतदान संम्पन्न हुआ। मतदाताओं में मतदान के प्रति जिले भर में उत्साह देखा गया। जिसके तहत समाज के सभी वर्गों ने मतदान में भाग लिया। मतदाता अपनी संस्कृति के अनुसार जनजातिय परिधान में तैयार होकर मतदान करने पहुँचे। मतदान केंद्रों पर भी मतदाताओं के लिए छाया, आँचल कक्ष, वृद्ध कक्ष, व्हीलचेयर, रैंप, आदि व्यवस्थाओं को शामिल किया गया था और प्रकृति संरक्षण का सन्देश देते ग्रीन पोलिंग बूथ आकर्षण का केंद्र रहे। जिले की शहपुरा विधानसभा क्षेत्र 103 के 336 मतदान केंद्रों पर कुल 72.45 प्रतिशत और डिंडोरी विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 104 के 319 मतदान केंद्रों पर कुल 75.95 प्रतिशत मतदान हुआ। डिंडोरी जिले में कुल मतदान 74.20 प्रतिशत मतदान हुआ, जिनमें पुरुष 74.87 प्रतिशत और महिला मतदाताओं का मत प्रतिशत 73.40 रहा। इस प्रकार से जिले में कुल 74.20 प्रतिशत मतदान हुआ। मतदान के बाद मतदान दलों की वापसी प्रक्रिया भी प्रारम्भ हो गयी, जिसके तहत डिंडोरी विधानसभा क्षेत्र के दांडविदयपुर मतदान केंद्र के दिव्यांगजन मतदान दल ने सबसे पहले आकर चंद्र विजय कॉलेज में सामग्री वापसी की। जिला प्रशासन ने मतदान दलों का स्वागत फूलमाला और तिलक से किया गया।

लोकतंत्र के महापर्व पर मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक किया मतदान

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। लोकसभा निर्वाचन 2024 के पहले चरण में मंडला संसदीय क्षेत्र में शुक्रवार को मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। विकास खंड मेंहदवानी के सभी मतदान केन्द्रों में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक मतदान किया। मतदान केन्द्रों में सुबह से मतदाताओं की लम्बी कतार लग गई। महिला पुरुष सभी मतदाताओं ने लोकतंत्र के महापर्व पर मतदान कर अपनी अहूती दी। गर्मी की चिलचिलाती धूप में भी मतदाताओं ने धैर्य रखा और मतदान कर अपना फर्ज निभाया। मतदान केन्द्रों में धूप से बचने टेंट लगाए गए थे जिससे छाया की व्यवस्था रही। मुख्यालय मेंहदवानी, सारसडोली, कठौतिया, कनेरी, कुटरई,बिलगढ़ा सहित सभी मतदान केन्द्रों में मतदाताओं में मतदान कर जागरूक होने का अहसास कराया। नजदीकि ग्राम मोहगांव के मतदाताओं ने पैदल नर्मदा नदी पार कर मतदान केन्द्र सलैया में जाकर मतदान किया। शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और समय समय पर राजस्व विभाग तथा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के द्वारा मतदान केन्द्रों का निरीक्षण किया जाता रहा। मुख्यालय मेंहदवानी के मतदान केन्द्र भाग-1 में तकनीकी गड़बड़ी के चलते लगभग आधा घंटा बाद मतदान प्रारंभ हुआ।

लोकतंत्र के महापर्व में मतदान करने पारंपरिक अहीरी वेशभूषा में पहुंचे मतदाता

हरिभूमि न्यूज मेंहदवानी। लोकतंत्र के महापर्व में मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक मतदान किया। विकास खंड मुख्यालय मेंहदवानी के मतदान केन्द्र भाग -2 में गांजर टोला मेंहदवानी निवासी यादव समाज के लोग पारंपरिक अहीरी वेशभूषा में मतदान करने पहुंचे और मतदान करने के बाद सेल्फी ली और लोगों को मतदान करने के लिए जागरूक किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व में उच्च शिक्षा मंत्री रहते डॉ मोहन यादव मेंहदवानी में आयोजित यादव अहीर समाज सम्मेलन में पहुंचे थे जहां समाज के लोगों ने डॉ मोहन यादव को पारंपरिक अहीरी वेशभूषा पहनाकर नृत्य कराया था।

जेल में आयोजित हुआ स्वास्थ शिविर,175 बंदियों को मिला उपचार

हरिभूमि न्यूज डिंडोरी। शनिवार को जिला जेल में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 175 बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इनमें चर्म रोग और सर्दी खांसी बुखार के मरीज पाये गये। जिन्हें प्रारंभिक उपचार उपरांत दवाईयां वितरित की गई। जेल में आयोजित शिविर में चिकित्सकों ने बंदियों को साफ सफाई से रहने और नियमित व्यायाम करने की सलाह दी है। चिकित्सकों ने जेल प्रबंधन को भी बंदियों की उचित देखभाल और समय पर ईलाज कराने कहा है। शिविर में डॉ. ए. के. वर्मा,डॉ. अमित द्विवेदी,डॉ. नीतू परस्ते,डॉ मनोज उरैती, डॉ धर्मवीर मार्को,डॉ ए पी झारिया,लैब टेक्नीशियन जीतेन्द्र रघुवंशी,फर्मासिस्ट विमला द्विवेदी, नर्सिंग ऑफिसर जयश्री,छत्तर सिंह और संदीप परिहार उपस्थित रहे।

विवाद होने पर महिला ने खाये कनेर के बीज

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले के गाडासरई थाना अन्तर्गत 35 वर्षीय महिला को कनेर के बीज का सेवन कर लेने पर जिला अस्पताल लाया गया है। अस्पताल चैकी में पुलिस को दिये कथन में कमलेष्वरी ने बताया कि उसके पति लोकराम के साथ उसका लडाई झगडा व विवाद हुआ था। इसी रंजिष के चलते उसने शाम लगभग छः बजे के आस पास पांच कनेर के बीज तोडकर लाई और उसे खा लिया । कुछ देर बाद महिला को उल्टियां हुई और हालत बिगडने लगी महिला ने अपने बडे बेटे को घटना के बारे में बताया । सूचना के बाद वह महिला को मोटर सायकल से जिला अस्पताल लेकर आया पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बस्ते के बोझ तले दबता जा रहा बचपन

अनूपपुर। जिले भर मे मानव संसाधन विकास मंत्रालय की गाइड लाइन का कहीं भी असर होते नही दिख रहा है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने छोटी कक्षाओं के विद्यार्थियों के कंधे पर बढ़ते जा रहे बस्ते के बोझ को संज्ञान लेते हुये नई गाइड लाइन जारी की थी जिसका कड़ाई से पालन किये जाने का भी आदेश दिया गया था, लेकिन अनूपपुर जिले मे इसका कोई भी असर देखने को नही मिल रहा है जबकि कुछ ही दिनो मे नया शिक्षण सत्र शुरू होने वाला है। ऐसे मे अभी तक शिक्षा विभाग के जिम्मेदारो द्वारा कोई भी ऐसा आदेश पारित नही किया गया जिससे उक्त गाइड लाइन का पालन हो सके। शिक्षा विभाग की हीला हवाली के कारण संभव है कि नये सत्र मे भी विद्यार्थी बस्ते के बोझ के बीच अपनी पढ़ाई करेंगे। जबकि मंत्रालय ने कक्षाओं के अनुरूप 2 से लेकर 6 किलो तक बस्ते का बोझ तय किया था, लेकिन जिले भर मे ऐसा कुछ भी होते नही दिख रहा है। स्कूल विद्यार्थियों के कंधो पर बस्तों का बोझ कम करने के लिए सीबीएसई ने वर्ष 2017 मे स्कूलों को एक गाइड लाइन जारी की थी जिसमे बच्चों की कक्षा के हिसाब से उनके बैग का वजन तय किया गया था। इसके अलावा लॉकर बनाने के निर्देश भी दिये गये थे। 2016-17 के उपरांत मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने नवंबर 2018 मे इस आदेश को पुनः जारी करते हुये तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिये थे, लेकिन आज तक इस संबंध मे शिक्षा विभाग द्वारा किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नही की गई है। निर्देश के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग को एक कमेटी गठित करनी थी जो इसकी मॉनीटरिंग करती।नियमानुसार कक्षा पहली से दूसरी तक के बच्चो के बैग का वजन जहां अधिकतम 2 किलो तक होना था वही कक्षा तीसरी से चाथी तक 3 किलो, कक्षा पांचवी से आठवीं तक 4 किलो, कक्षा नौंवी दसवीं तक 6 किलो तक होना चाहिये था, लेकिन वर्तमान स्थिति मे इन बैगो का वजन नर्सरी तक 3 किलो, कक्षा पहली 4 किलो, दूसरी 6 किलो तक तथा पांचवी मे 12 से 15 किलो तक है वही आठवीं के बच्चे 20 किलो वजनी बस्ते के बीच पढ़ाई कर रहे हैं। चिकित्सा विज्ञान द्वारा किए गए एक अध्ययन में यह बात समाने आई है कि भारी बस्ते ढोने की वजह से स्कूली बच्चे रीढ़ की दर्द से परेशान हैं। इसके अलावा कई दूसरी बीमारियों के शिकार हो रहे हैं।शिक्षा के क्षेत्र मे निजी स्कूलो की अपेक्षा सरकारी स्कूलो के बस्ते का बोझ हल्का होता है। सरकारी स्कूलो मे प्रारंभिक कक्षाओं मे भाषा, गणित के अतिरिक्त एक या दो पुस्तकें हैं, लेकिन निजी स्कूलो के बस्तों का भार बढ़ता जा रहा है। इसके पीछे ज्ञानवृद्धि का कोई कारण नही है, बलिक व्यापारिक रूचि ही प्रमुख है। मोहल्ला ब्रांड अंग्रेजी स्कूलो के लिए तो भारी बस्ते शुभ लाभ कर रहे हैं जिस कारण बच्चों के कोमल मन मस्तिष्क पर गैर जरूरी बोझ लादा जा रहा है। बच्चे की समझ मे न आने पर उसे ट्यूशन के हवाले कर दिया जाता है और अपनी प्रारंभिक उम्र से ही बच्चा रटा रटाया शिक्षा लेने पर मजबूर हो जाता है। उसकी मानसिक चेतना भी कहीं दबकर रह जाती है।

यात्रियों की परेशानी खत्म शुरू हुआ बसों का संचालन

अनूपपुर लोकसभा चुनाव में अधिग्रहित हुई बसों के कारण नगर में यात्रियों की परेशानी बढ़ गई थी। शुक्रवार को चुनाव कार्य संपन्न होने के बाद शनिवार को कोतमा नगर में भी बसों का संचालन शुरू हो गया। जिससे बस से सफर करने वाले यात्रियों की परेशानी दूर हो गई। जानकारी अनुसार सोमवार को कोतमा नगर के बस स्टैंड में इक्का-दुक्का बसों को छोड़कर ज्यादातर बसें पहुंची और यात्रियों को ले गई विदित रहे की पिछले तीन दिनों से सन के न आने के कारण यात्रियों को आवागमन में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा इसमें कुछ यात्रियों को निजी वाहन बुक कर सफर करने को मजबूर होना पड़ा वहीं मौके का फायदा उठाने वाले ऑटो एवं मैजिक वाहनों के चालको द्वारा क्षमता से ज्यादा सवारी ढोए जाने के परिणाम स्वरूप कोतमा थाना अंतर्गत गढ़ी तिराहे के पास एक मैजिक में 8 की क्षमता वाले वाहन में 20 सवारी बैठ जाने के कारण अनियंत्रित होकर पलटने से एक दर्जन लोग घायल हो गए थे।

मतदान दलों का वापसी में हुआ स्वागत, स्वरुचि भोज की रही व्यवस्था

ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें स्ट्रांग रूम में जमा

अनूपपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 की संपूर्ण निर्वाचन प्रक्रिया शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई। निर्वाचन संपन्न कराकर वापस आने पर मतदान दलों का मतदान सामग्री वापसी केन्द्र पॉलिटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में स्वागत किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा शहडोल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफीसर आशीष वशिष्ठ ने निर्वाचन प्रक्रिया में लगे समस्त अधिकारियों कर्मचारियों के परिश्रम एवं लगन की सराहना की। मतदान दल के अधिकारी-कर्मचारी तथा सुरक्षा बल को सामग्री जमा कराने के बाद सामग्री जमा स्थल के बाहरी प्रांगण में भोजन की व्यवस्था की गई थी, जहां मतदान कराकर लौटे मतदान दल के लोगों ने स्वरुचि भोज किया। मतदान दलों के मतदान कार्मिकों ने जिला प्रशासन द्वारा मतदान केन्द्रों में की गई व्यवस्था तथा सामग्री वितरण, वापसी के प्रबंधन, भोजन, स्वल्पाहार आदि की नायाब व्यवस्था की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तथा शहडोल संसदीय क्षेत्र के रिटर्निंग ऑफिसर आशीष वशिष्ठ ने ने अनूपपुर जिले सहित संपूर्ण शहडोल संसदीय क्षेत्र के समस्त मतदाताओं जिन्होंने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है,

उनकी सराहना करते हुये कहा कि प्रशासन को आप सभी पर गर्व है। उन्होंने कहा जो लोग इस बार किसी कारणवश मतदान नही कर पाएं वे अगली बार अवश्य मतदान कर अपना कर्तव्य निभाएं और जिन्होंने इस बार मतदान कर जिले का मान बढाया है वे जिम्मेदारी की इस राह में सतत रूप से आगे बढें और शतप्रतिशत मतदान को प्राप्त कर लोकतंत्र को सशक्त करने में सहयोग करें। उन्होंने जिले के सभी पत्रकारों के कार्य की सराहना करते हुये आभार व्यक्त किया कि आप सभी का सहयोग प्रशासन को मतदाता जागरूकता के अभियान से लेकर शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने में सतत रूप से मिला। लोकतंत्र के चतुर्थ स्तंभ की भूमिका सराहनीय रही।

शांतिपूर्ण ढंग से मतदान कराने के लिए कलेक्टर ने व्यक्त किया आभार

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी आशीष वशिष्ठ ने लोकसभा निर्वाचन के लिए 19 अप्रैल को अनूपपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्र कोतमा, अनूपपुर एवं पुष्पराजगढ़ में शांतिपूर्ण ढंग से मतदान सम्पन्न कराने के लिए निर्वाचन में लगे समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा अनूपपुर जिले के तीनों विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें स्ट्रांग रूम में जमा

जिले के समस्त 699 मतदान केन्द्रों की ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें मतदान दलों से प्राप्त कर सामग्री वापसी केन्द्र पॉलिटेक्निक महाविद्यालय अनूपपुर में विधानसभावार स्ट्रांग रूम में व्यवस्थित रूप से रख, कक्ष को सील किया गया है। समस्त स्ट्रांग रूमों में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के द्वारा निगरानी भी की जा रही है।

जिलेभर में आईपीएल सट्टे के दर्जनों अड्डे आबाद

हाईटेक हुये सटोरिये हर गेंद पर लगता है सट्टा

साल भर इंतजार के बाद चालू हुये आईपीएल क्रिकेट मैचों के दौरान जिले में क्रिकेट का सट्टा कराने वाले व्यवसाईयों के पास हर घंटे लाखों रूपयें के दाव लगाये जाते है। यह कारोबार अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा, अमलाई, फुनगा, बिजुरी, रामनगर, राजनगर आदि जगहों पर खेला जा रहा है। क्रिकेट सट्टा खेलने वाले खिलाड़ियों का सबसे पसंदीदा टूर्नामेन्ट है वैसे जो हर क्रिकेट मैच पर सट्टा खेलने वालों की नजर बनी रहती है। सट्टा खिलाने वाले के द्वारा हर मैच के दौरान दोगुना दाम भी दिया जाता है।

अनूपपुर। जब से आईपीएल मैच प्रारंभ हुये है जिले में इन्हीं के आड़ पर सट्टे का कारोबार बहुत तेजी से पैर पसारते जा रहा है। जब कम मेहनत में ज्यादा रूपया मिल रहा है ऐसे में जिले का युवा वर्ग बुरी तरह से सट्टे की गिरफ्त में फंसता जा रहा है। जिस तरह से मैच के दौरान चौके, छक्के, लगने पर चीयर लीडर्स उझल पड़ते है ठीक उसी तरह सट्टा प्रेमी भी मन मुताबिक शाट लगने पर किस्मत पर मेहरबान होकर खुश हो जाते है जहां इस गोरखधंधे में हर रोज दो चार मालामाल हो रहें है तो दूसरी ओर सैकडों कर्ज और कंगाली के दलदल में धंसते जा रहे हैं। आईपीएल सट्टे का अवैध व्यापार अब इतना हाईटेक हो चला है कि जिला पुलिस बल को इन्हें पकडने में काफी मशक्कत करनी पडेगी। संचालनकर्ता द्वारा लैपटॉप, मोबाइल तथा अन्य साधनों से लैस होते हुये सट्टे की बुकिंग मैच के कई घंटे पहले ही शुरू कर दी जाती है और उस दिन का मैच खत्म होने के बाद लैपटॉप से सारी जानकारियां नष्ट कर दी जाती है वहीं हर रोज नये सिम से सट्टे की बुकिंग की जाती है। ऐसे में यह सटोरिये पुलिस के लिये भी चुनौती से कम नहीं है। जो एक भी सुराग नहीं छोडते है।

हर गेंद पर लाखो के दांव

बॉलर द्वारा फेकी जाने वाली हर गेंद पर आईपीएल सट्टे के व्यापार में लाखों के दॉव लगते हैं और चौके, छक्के, तथा

विकेट गिरा तो सटोरियों को बोनस राशि भी दी जाती है। इस तरह से जिले भर में यह व्यवसाय धड़ल्ले से चल रहा है और पुलिस प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं लग पाती वहीं लोग आईपीएल मैच का आनंद ले रहें है या फिर सट्टे का अड्डा चलाया जा रहा है। पुलिस भी नाकाम सूचना तंत्र के चलते इस पर कोई कार्यवाही चाह कर भी नहीं कर पा रही है।

बेमानी के धंधे में ईमानदारी

आज हर व्यक्ति जहां किसी भी बात पर यकीन करने से पहले सौ बार उसकी जांच परख करने के बाद ही उस पर पैसा लगाना चाहता है, लेकिन इस बेमानी के धंधे में ईमानदारी सतयुग जैसी देखी जा रही है जहां सट्टा लगने के बाद सटोरियों को उसका पेमेंट मन चाहे रूप में दिया जाता है। यदि ज्यादा रकम हुयी तो सीधे एकाउंट में ट्रांसफर कर दिया जाता है। इसी वजह से लोगों का रूझान इस पर ओर बढ रहा है।

मोबाइल से संचालित खेल

जिला मुख्यालय में आईपीएल सट्टे के एक दो नहीं बल्कि दर्जनों अड्डे चल रहे है जहां मोबाइल की सहायता से इस अवैध कारोबार को अंजाम दिया जा रहा है। यह खेल युवाओं का सबसे पसंदीदा खेल बनता जा रहा है जहां बस कुछ ही पल में राजा से रंक और रंक से राजा बनाया जाता है। इस पूरे मामले पर जिला पुलिस की चुप्पी से इनके हौसले और भी बुलंद है।

नाबालिग भी है शामिल

पल भर में लखपति बनने का सपना लेकर इस खेल में सिर्फ आदतन व्यक्ति ही नहीं बल्कि अब बच्चे भी बल्ले भांज रहे है। भले ही क्रिकेट के मैच में उन्हें जगह न मिलती हो लेकिन यहां तो कोई रोक टोक नहीं है वहीं नाबालिग इस खेल में शामिल होने के लिये कई गलत प्रकार के काम कर के पैसे लगाते है।

नहीं थम रहा अवैध गैस रिफिलिंग का धंधा

जिला मुख्यालय में गैस रिफिलिंग का अवैध धंधा नहीं थम रहा है। आलम यह है कि घरेलू गैस सिलेंडर से कामर्शियल गैस सिलेंडरों में रिफिलिंग कर उन्हें ऊंचे दामों पर बेचा जा रहा है। जिला मुख्यालय मे में यह धंधा पिछले कई सालो से अवैध रूप से चलाया जा रहा है। छोटे घरेलू सिलेंडरों में बड़े सिलेंडरों से गैस भरकर इसे ऊंचे दाम पर लोगों को बेचा जाता है। एक सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर में गैस भरने की यह प्रक्रिया काफी पुरानी और खतरनाक है। चूंकि यह धंधा गहन बस्तियों, संकरी गलियों में बनी दुकानों में चलाया जाता है इसलिए खतरे की आशंका भी दोगुनी हो जाती है। लोगों का कहना है कि गैस रिफीलिंग का अवैध धंधा करने वाले मनबढ़ किस्म के होते हैं। यदि इन्हें घनी आबादी के बीच में रिफिलिंग करने से मना किया जाता है तो वे झगड़ने पर आमादा हो जाते हैं। एक सिलेंडर से दूसरे सिलेंडर से गैस भरने के दौरान कभी कभी गैस लीक होने के कारण छोटे छोटे हादसे भी होते रहते हैं।

अनूपपुर। नगर मे रसोई गैस के व्यवसायिक दुरुपयोग के साथ अवैध रूप से गैस रिफलिंग का धंधा जोरों पर चल रहा है। बड़े रसोई गैस के सिलेंडर से छोटे सिलेंडर में गैस निकाली जा रही है। कई स्थानों पर यह कारोबार भीड़, भाड़ वाले स्थानों पर बेरोक टोक किया जा रहा है। इन स्थानों पर आग से निपटने का कोई इंतजाम नहीं है। जिससे बड़ी दुर्घटना होने से इंकार नहीं किया जा सकता है वही रजिस्टर्ड गैस उपभोक्ता ठगे जा रहे हैं। घरेलू गैस सिलिंडर से एक से तीन किलो तक गैस निकाल कर लोगों के घरों में पहुंचाया जा रहा है। नगरवासियों ने इस तरह अवैध रूप से हो रहे गैस रिफलिंग के कारोबार पर अंकुश लगाए जाने की मांग किया है। जिससे कोई छोटा, बड़ा हादसा होने से बचा जा सके। बीच शहर की गलियों में अवैध तरीके से गैस रिफिलिंग करने वाले कारोबारी खतरे को खुला आमंत्रण दे रहे हैं। सिलिंडर की सील इतनी सफाई से खोला व दोबारा लगाया जाता है, कि लोगों की पकड़ में नहीं आये। कैप लगाकर मोमबत्ती से प्लास्टिक सील को गरम कर चिपका दिया जाता है। गैस रिफिलिंग की दुकानों पर रसोई गैस सिलिंडर से दो से लेकर पांच लीटर तक गैस छोटे सिलिंडरों में भरा जाता है वहीं अवैध रूप से इन दुकानों से रसोई गैस की टंकियां भी जरूरतमंदों को मिल जाती है। यह सारा काम टेंट हाउस की आड़ में या अन्य किसी दुकानों की आड़ लेकर किया जा रहा है। नियमों के मुताबिक हर वर्ष आम उपभोक्ता को सब्सिडी वाले 12 गैस सिलेंडर मिलते हैं, लेकिन तमाम उपभोक्ता पूरे साल में 12 गैस सिलेंडर खरीद नहीं पाते। जो गैस सिलेंडर उपभोक्ता नहीं उठाते, उनकी कालाबाजारी की जाती है। घरेलू गैस सिलिंडर का व्यावसायिक उपयोग अवैध है. व्यावसायिक उपयोग के लिए नीले रंग का बड़ा सिलिंडर उपयोग करने का नियम है. बावजूद अधिकतर होटलों जिनमें चाय, नाश्ता, चाट की दुकानें शामिल हैं।

इमरजेंसी में गोटगांव स्टेशन पर रोकी गई ट्रेन

ट्रेन चालक की बिगड़ी तबीयत, एंबुलेंस से पहुंचाया अस्पताल

रेलवे की मनमानी बताई वजह

हरिभमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस जबलपुर से इटारसी जा रही मालगाड़ी के चालक की अचानक तबियत बिगड़ गई जिसे आनन फानन मे गोटेगांव स्टेशन पर रोक कर चालक को एंबुलेंस से अस्पताल ले जाया गया । गोटेगांव में मालगाड़ी के ड्राईवर के पेट में अचानक से तकलीफ होने लगी, असहनीय दर्द जब उससे सहा नहीं गया, तब उसने रेल्वे के वरिष्ठ अधिकारियों को इसकी जानकारी देते हुए मालगाडी को वही रोक दिया। जिसके बाद मौके पर पहुंची एम्बुलेंस से उसे प्राथमिक उपचार केन्द्र गोटेगांव लाया गया, जहां उसका इलाज किया गया है। वही इस मामले ने एक बार फिर लोको पायलटों की हालत बयां कर दी है, कि वे किस तरह काम के दबाव में आकर बीमार पड़ रहे है।

पेट में हुआ असहनीय दर्द

जबलपुर से इटारसी जा रही मालगाड़ी के पायलट की अचानक तबियत बिगड़ने के चलते इमरजेंसी में श्रीधाम रेलवे स्टेशन पर रोका गया और 108 एम्बुलेंस को फोन पर सूचना दी गई, जहां ईएमटी शोभाराम जाटव एवं पायलट राजकुमार रेपुरिया मौके पर पहुंचे और मालगाड़ी के पायलट को 108 एंबुलेंस की सहायता से श्रीधाम रेलवें स्टेशन से गोटेगांव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया गया। वही बताया जा रहा है, कि पायलट के पेट में असहनीय दर्द होने के चलते मालगाड़ी को रोकना पड़ा और अपने वरिष्ठ रेलवें अधिकारियों को सूचना देने के बाद 108 एंबुलेंस से उसे उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहां इलाज के बाद ट्रेन पायलट को वापस श्रीधाम स्टेशन छोड़ गया।

रेल्वे विभाग की मनमानी बनी वजह

रेलवे प्रशासन की मनमानी रेलवे सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। रेलवे प्रशासन के तुगलकी फरमान के चलते रेल लोको पायलट व सहायक लोको पायलट आराम को तरस गए हैं। हालात यह है किए इन कर्मचारियों से नियम विरुद्ध 14 से 16 घंटे तक रेल संचालन करवाया जा रहा है। ऐसे में यदि कोई रेल हादसा हो जाए तो कोई आश्चर्य की बात नहीं। उच्च अधिकार प्राप्त समिति एचपीसी की सिफारिशों के आधार पर रेलवे बोर्ड ने 28 नवम्बर 2016 को निर्णय लिया था, कि रनिंग स्टाफ की निरन्तर ड्यूटी 9 घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए। रनिंग स्टाफ की ड्यूटी में वृद्धि के लिए रेल प्रशासन को 9 घंटे समाप्त होने के कम से कम 2 घंटे पहले अधिक ड्यूटी की सूचना देने का प्रावधान है। इसमें भी यह ड्यूटी 11 घंटे से अधिक नहीं होनी चाहिए। जबकि सामान्य स्थितियों में ही इसके उलट हो रहा है। स्टाफ की कमी के चलते लोको पायलट को मेमो देकर ज्यादा समय तक ड्यूटी कराई जा रही है।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर असर

लोको पायलट व सहायक लोको पायलट को आराम नहीं मिलने की वजह से हर वक्त ट्रेन हादसे का डर बना रहता है। रनिंग स्टाफ के शारीरिक व मानसिक रूप से थक जाने के कारण स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। इस मामले में भी कुछ ऐसा ही हुआ है, ज्यादा थकान की वजह से लोको पायलट के पेट में इतनी अहसनीय तकलीफ हुई, कि वह मालगाड़ी को आगे न ले जा सका और बीच में ही रोककर इलाज की गुहार अपने अधिकारियों से लगाई। चिकित्सकों के अनुसार लोको पायलट को हाई बीपी, शुगर और बहरेपन की बीमारी आम है। युवा लोको पायलट भी तेजी से इसकी चपेट में आ रहे है।

खबर संक्षेप

गाय को बचाने के चक्कर मे घायल हुआ युवक

हरिभमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस कोतवाली थाना अंर्तगत आने वाले नगर पालिका कार्यालय के सामने एक बाईक सवाार का वाहन अनियंत्रित होकर नीचे गिर गई, जिससे चालक जमींन पर आ गिरा और उसे काफी चोटें पहुंचे है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए शास्त्री वार्ड निवासी 35 वर्षीय पीड़ति दीपक पटेल पिता मुन्नालाल पटेल ने बताया, कि वह बीमारी का इलाज कराने नरसिंहपुर जिला अस्पताल की ओर जा रहा था, तभी बाईक के सामने एक अवारा पशु आ गया, जिसे बचाने के प्रयास में दीपक की बाईक अनियंत्रित हो गई और पलट गई, चोट लगने के बाद दीपक स्वंय जिला अस्प्ताल पहुंचा जहां ज्यादा चोटें आने के कारण उसे जिला अस्पताल में भर्ती कर लिया है। घायल युवक का अस्पताल में इलाज जारी है।

हाइवे में हुई सड़क दुर्घटना में दो घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । नेशनल हाईवे 44 पर थाना मुंगवानी क्षेत्र के ग्राम डुंडवारा के पास बाईक सवार दो लोगों को उस समय गंभीर चोटें आ गई, जब बाईक के सामने एक गाय आ गई, जिसके कारण बाईक अनियंत्रित होकर बहक गई ओर बाईक समेत दोनों सवार झाड़ियों में गिरे, जिससे दोनों ही लोगों को गंभीर चोटे आई है और इनका इलाज अस्पताल में जारी है। मामले की जानकारी देते हुए मुंगवानी निवासी घायल व्यक्ति ने बताया, कि हादसा उस समय घटित हुआ, जब वे अपने साथी के साथ डुंडवारा की ओर जा रहे थे। तभी डुंडवारा के पास ही मार्ग पर वाहन के सामने गाय आ गई, जिससे उसे बचाने के प्रयास में बाईक फिसलकर घिसटते हुए सड़क के नीचे झाड़ियों में गिर गई, बाईक सवार दोनों लोग हादसे में चोटिल हो गए, जिसके बाद दोनों ही घायल जिला अस्पताल पहुंचे, जहां उनका इलाज जारी है।

जहरीली वस्तु के सेवन से युवक की मौत

हरिभमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस युवक द्वारा जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया गया । पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार दर्शन पिता सरमन कुशवाहा उम्र 18 वर्ष निवासी खैरीनाका थाना कोतवाली अपने खेत पर काम करने गया था जहां पर अज्ञात कारणों से जहरीली वस्तु का सेवन कर लिया जिसे उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर परीक्षण के दौरान डाक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर शव का परीक्षण कराकर परिजनों को सौंप दिया ।

दो सड़क दुर्घटनाओं में दो लोग घायल

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । गत दिवस दो अलग - अलग स्थानों मे हुई सड़क दुर्घटना मे दो लोग घायल हो गये । पुलिस ने बताया कि थाना क्षेत्र स्टेशनगंज अंतर्गत खमरिया के पास हुई सड़क दुर्घटना मे सूरज पिता मनोहर धानक उम्र 20 वर्ष निवासी खमरिया घायल हो गया वही दूसरी घटना मे नेपाल पिता परमेश्वर कौरव उम्र 50 वर्ष निवासी लिलवानी थाना करेली को गांव के पास ही अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी । दो घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाया गया जहां पर उपचार जारी है।

स्ट्रांग रूम की निगरानी के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि रह सकते हैं उपस्थित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक- 14 मण्डला (अ.ज.जा.) में समाविष्ट विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक- 118 गोटेगांव (अ.जा.) के लिए 19 अप्रैल 2024 को मतदान सम्पन्न उपरांत मतदान दलों द्वारा लाई जाने वाली मतदानयुक्त ईव्हीएम/व्हीव्हीपीएटी मशीनों को कृषि उपज मण्डी नरसिंहपुर में स्थापित स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीएपीएफ 24 घण्टे तैनात रहेगी तथा सीसीटीवी से भी सतत निगरानी रखी जावेगी। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले ने सभी राजनैतिक दलों से कहा है कि वे अपने स्तर से स्ट्रांग रूम के बाहर से निगरानी के लिये किसी प्रतिनिधि को भेजना चाहते है तो उसके पूरे नाम, मोबाईल नंबर, कोई आईडी सहित उसे अधिकृत कर जानकारी इस कार्यालय को शीघ्र उपलब्ध करायें।

शैलजा को मिलेगा उदिता सम्मान

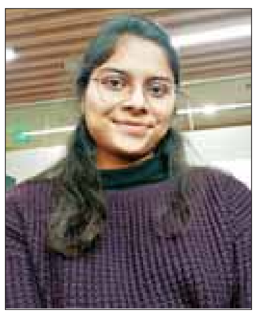

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । नगर की बेटी कु. शैलजा पुरोहित, पुत्री एड. प्रदीप पुरोहित को राजधानी भोपाल में उदिता सम्मान से पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ इंडिया, भोपाल सम्मानित कर रही है। राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस 21 अप्रैल को रवींद्र भवन में शैलजा को पद्मश्री से सम्मानित डॉ. बालेन्दु प्रकाश, वरिष्ठ पत्रकार, प्रमुख पत्रकारिता विभाग लेडी श्रीराम कॉलेज, नई दिल्ली डॉ. वर्तिका नन्दा एवं वरिष्ठ पत्रकार गिरिजा शंकर सम्मानित करेंगे। गौरतलब है कि शैलजा का अध्ययन भोपाल के माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय से हुआ है। वह फिलहाल दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय की सोशल मीडिया टीम में काम कर रही हैं। वह पूर्व में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार, राष्ट्रपति भवन, दिल्ली पुलिस के सोशल मीडिया एवं मीडिया विंग में कार्य कर चुकी हैं। हाल ही में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा लोकार्पित 'साइलेंट सेंटिनल्स ऑफ द सी' नामक कॉफी टेबल बुक में सह लेखन का कार्य किया है, इस पुस्तक में देश के 75 लाइटहाउस की कहानियां हैं। शैलजा का चयन उनके उल्लेखनीय कार्यों के लिए हुआ है, जिनमें सिकल सेल के प्रति जागरुकता अभियान में भी उनका योगदान सराहनीय है।

शादी का निमंत्रण देने आ रहे पिता की सड़क हादसे में मौत

हरिभमि न्यूज - नरसिंहपुर । होशंगाबाद से अपनी बेटी के शादी का कार्ड देने रिश्तेदारी में आए अधेड़ को अज्ञात वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में अधेड़ के सिर में गंभीर चोटें आई, जिसके बाद मौके पर उपस्थित लोगों ने एम्बुलेंस बुलवाकर घायलों को गाडरवारा स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया जहां इलाज के दौरान अधेड़ ने दम तोड़ दिया है। वही बाईक में पीछे बैठा युवक भी घायल घटना में बाईक में सवार दूसरे व्यक्ति को भी चोटें आई है, जिसका इलाज गाडरवारा स्वास्थ्य केन्द्र में किया जा रहा है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए एम्बुलेंस चालक ने जानकारी देते हुए बताया, कि मृतक छोटू बर्मन उम्र 45, होशंगाबाद जिले का निवासी है, जिसकी बेटी की शादी के लिए वह नरसिंहपुर रिश्तेदारों को निमंत्रण देने आया हुआ था, दोनों बाईक सवारों ने शराब पी रखी थी, इसी बीच वे कामती चौराहे जब पहुंचे तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाईक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी, कि छोटू कई फुट उपर उचकर नीचे जमींन में सिर के बल आ गिरा जिससे उसके सिर में गंभीर चोटें पहुंची और वहीं बेहाश हो गया। स्थानीयजनों ने तत्काल ही घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस से दोनों घायलों को गाडरवारा स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया, लेकिन इससे पहले की छोटू बर्मन को इलाज मिल पाता वह चल बसा। वही मृतक के साथी भगवान दास का इलाज जारी है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामला कायम कर शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए, अज्ञात वाहन की तलाश शुरू कर दी है।

आमने सामने की टक्कर एक की मौत एक घायल

हरिभमि न्यूज - नरसिंहपुर । तेज रफ्तार लोगों की जान पर भारी पड़ रही है। आए दिन रफ्तार के चलते वाहन सवार मौत के आगोश में जा रहे है। कुछ ऐसा ही मामला करेली थाना अंर्तगत सामने आया, जब दो बाईक की आमने सामने से जोरदार भिडत हो गई, जिसमें एक बाईक सवार की मौत हो गई है। पूरे मामले की जानकारी देते हुए सगोरिया निवासी मृतक के भाई मलखान सेन ने बताया, कि युवक ने बताया, कि उनका छोटा भाई गाडरवारा की ओर जा रहा था, तभी शुगर मिल के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार बाईक ने उसे टक्कर मार दी। जिससे युवक के सिर में गंभीर चोटें आई थी, घटना की जानकारी लगते ही तत्काल परिजन मौके पर पहुंचे और एम्बुलेंस में लेकर उसे करेली स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल भिजवाया। लेकिन इसके पहले की घायल को इलाज मिल पाता, घायल युवक ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। चिकित्सकों ने परीक्षण उपरांत युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किसान के एटीएम खाते से निकाल ली रकम

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले के करेली में आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम से पैसे निकालने आये एक किसान से एक अज्ञात व्यक्ति ने बातों में बहलाकार एटीएम कार्ड बदल लिया और 49,999 हजार रुपए निकलकर किसान से धोखाधड़ी कर दी, मामले की शिकायत किसान ने नरसिंहपुर एसपी को की है। कामती निवासी किसान अरविन्द रघुवंशी ने बताया की वह शुक्रवार की दोपहर साढ़े तीन बजे खाद लेने के लिए एटीएम से पैसे निकालने करेली के बरमान चौक स्थित आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम से पैसे निकालने लगा। तीन बार ट्रांजेक्शन करने के दौरान पैसे नहीं निकले तब बाजू में खड़ा व्यक्ति बोला की आप गलत कार्ड डाल रहे हो में आपका सही ट्रांजेक्शन कर देता हूं। उसने में कार्ड लिया और बातों में बहलाते हुए कार्ड बदल लिया, फिर बोला की इस एटीएम में पैसे नहीं हैं इसलिए नहीं निकल रहे और वह वहां से चला गया। उसके जाने के बाद किसान ने कार्ड देखा तो वह कार्ड उसका नहीं था, तुरंत बाद वह केनरा बैंक गया और अपने खाते से लेनदेन पर रोक लगाने के लिए अनुरोध किया। लेकिन इस बीच किसान के खाते से 49,999 रुपये किसी फर्म राधे केर्टस कोटा में तुरन्त अज्ञात व्यक्ति के व्दारा 49999 रुपए का ट्रांजेक्शन ट्रांसफर किसान के कार्ड से हो गया। किसान ने एसपी से ट्रांजेक्शन की जांच कर धोखाधड़ी करने वाले अज्ञात व्यक्ति पर पर कार्यवाही की मांग की है।

विधानसभा क्षेत्र गोटेगांव में हुआ 66.92 प्रतिशत मतदान

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के तहत मंडला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जिले की एक विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र गोटेगांव में एक लाख 44 हजार 743 मतदाताओं ने वोट डाले, इसमें 78 हजार 301 पुरूष, 66 हजार 438 महिला और 4 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं। इस तरह गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में 66.92 प्रतिशत मतदान हुआ। जिले में 19 अप्रैल को शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न हुआ। गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में सुबह 9 बजे तक 16 प्रतिशत, सुबह 11 बजे 32 प्रतिशत, दोपहर एक बजे 45 प्रतिशत, दोपहर 3 बजे 54 प्रतिशत और शाम 5 बजे 63 प्रतिशत मतदान हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में 66.92 प्रतिशत मतदान हुआ। सभी मतदान केन्द्रों पर मॉकपोल उपरांत मतदान प्राप्त हुआ। मॉकपोल के दौरान दो कंट्रोल यूनिट, दो व्हीव्हीपैट एवं एक बेलिट यूनिट बदली गई। मतदान के दौरान दो कंट्रोल यूनिट, दो बेलिट यूनिट एवं तीन व्हीव्हीपैट बदली गई। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के तहत जिले में मतदान शांतिपूर्ण

सम्पन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले तथा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार ने गोटेगांव विधानसभा क्षेत्र में मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न होने में सहयोग के लिए जिले के सभी मतदाताओं, अभ्यर्थियों व अभिकर्ताओं, राजनैतिक दलों, निर्वाचन प्रक्रिया में संलग्न अधिकारी- कर्मचारियों, पुलिस बल, मीडिया प्रतिनिधियों समेत संबंधित सभी जनों के प्रति जिला प्रशासन की ओर से आभार प्रकट किया है।

मतदान दलों का फूल-मालाओं से स्वागत

लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत मंडला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली जिले की एक विधानसभा क्षेत्र गोटेगांव में मतदान संपन्न कराकर दलों की वापसी कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में शुक्रवार शाम से प्रारंभ हो गई। सफलतापूर्वक मतदान कराकर सामग्री वापसी के लिए मंडी पहुंचे मतदान दलों का पुष्प मालाओं से स्वागत किया गया। इस दौरान कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती शीतला पटले, अपर कलेक्टर एवं उप जिला निवार्चन अधिकारी श्रीमती अंजली शाह सहित संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती पटले ने मतदान दल के सदस्यों से चर्चा की और उनके मतदान दिवस के अनुभव पूछे। साथ ही बेहतर कार्य करने के लिए मतदान दल के सभी सदस्यों और तैनात अमले की सराहना की और उन्हें बधाई दी। मतदान दल के लिए सामग्री वापसी स्थल पर जल जीरा, शीतल पेयजल, आम के पना की व्यवस्था भी की गई थी। मतदान दलों द्वारा सामग्री जमा करने के उपरांत ईव्हीएम मशीन को स्ट्रांग रूम में जमा कर सील किया गया। इस दौरान कलेक्टर, सहायक रिटर्निंग अधिकारी गोटेगांव श्री दलीप कुमार, अपर कलेक्टर, राजनैतिक दलों के पदाधिकारी मौजूद थे।

आज मनाई जाएगी भगवान महावीर जयंती

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर । जियो और जीने दो का संदेश देने वाले भगवान महावीर की 21 अप्रैल को जिले भर में जयंती मनाई जायेगी। नरसिंहपुर नगर स्थित गुदरी जैन मंदिर में विविध कार्यक्रम आयोजित होंगे। जानकारी के अनुसार गुदरी स्थित दिगंबर जैन मंदिर जी में भगवान का अभिषेक पूजन, प्रातः 08 बजे श्री जी की शोभायात्रा जो नगर के विभिन्न मार्गो से होकर निकलेगी। प्रातः 11 बजे चिकित्सालय व अन्य स्थानों पर फल वितरण। मंदिर जी में भगवान महावीर का दोपहर 01 बजे से 3 बजे तक महामस्तिकाभिषेक किया उपरांत 04 बजे वाहन रैली निकाली जावेगी। सायं 06 बजे मंदिर जी में महाआरती का कार्यक्रम होगा वहीं रात्रि 7 बजे से मंदिर जी के समक्ष बनाये गये पंडाल में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। दिगंबर जैन समाज में उक्त धार्मिक आयोजन में सभी से सहभागिता और धर्मलाभ अर्जित करने की अपील की है। आहिंसा परमो धर्म के महान प्रणेता भगवान महावीर की जयंती, मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान राम की जयंती, भारतीय संविधान के निमार्ता डॉ. अंबेडकर की जयंती को लेकर समन्वय परिवार की ओर से सर्व धर्म मिलन समारोह का आयोजन आज 21 अप्रैल को सच्चिदानंद आश्रम में किया जा रहा है। समन्वय परिवार, नरसिंहपुर ने सभी से उपस्थित की अपील की है। उल्लेखनीय है कि सच्चिदानंद आश्रम में हमेशा सभी धर्म के तीज त्यौहार मनाए जाते हैं।

कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। लोकसभा निर्वाचन- 2024 के अंतर्गत संसदीय निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक- 14 मण्डला में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक- 118 गोटेगांव के लिए 19 अप्रैल को मतदान सम्पन्न हुआ। मतदान उपरांत मतदान दलों द्वारा लाई जाने वाली मतदानयुक्त ईव्हीएम/व्हीव्हीपीएटी मशीनों को कृषि उपज मण्डी नरसिंहपुर में लाकर जमा किया जा चुका है। स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीएपीएफ 24 घण्टे तैनात है तथा सीसीटीवी से भी सतत निगरानी रखी जा रही है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने शनिवार को कृषि उपज मंडी नरसिंहपुर में बनाये गये स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया। उन्होंने होशंगाबाद संसदीय क्षेत्र की तीन विधानसभा नरसिंहपुर, तेंदूखेड़ा एवं गाडरवारा में होने वाले निर्वाचन के लिए मतदान सामग्री वितरण की व्यवस्था का भी अवलोकन किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। यहां राजनैतिक दलों के लिए तैयार किये जा रहे टेंट व्यवस्था भी देखी।

पुलिस आपके साथ के तहत मतदान केंद्रों पर पहुंचे जिला पुलिस अधीक्षक

तेंदूखेड़ा- आने वाली 26 अप्रेल को होने जा रहे द्वितीय चरण के लोकसभा चुनाव के तहत नर्मदापुरम-नरसिंहपुर संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के तेंदूखेड़ा थाना अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के मतदान केंद्रों पर जिला पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह के द्वारा निरीक्षण किया जा रहा है। मतदाता निष्पक्ष निर्भीक भय रहित होकर शत-प्रतिशत शांति पूर्वक मतदान करें। मतदान के दौरान अवैध शराब पैसों तथा किसी के दबाब मे आकर मतदान ना करें। तथा जितने भी लोगों को बांडोवर किया गया उन सभी पर क्रमशः कार्यवाही जारी है। पुलिस का सहयोग करें पुलिस आपके साथ है कार्यक्रम के तहत तीन चार दिनों तक तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र के लगभग सभी बूथों पर सघन भ्रमण कार्यक्रम जारी है। तेंदूखेड़ा पंहुचें पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने बताया कि उनके द्वारा तेंदूखेड़ा के ढिलवार मर्रावन मदनपुर चेक पोस्ट तेंदूखेड़ा तथा इमझिरा डोभी बिल्थारी हीरापुर सहित विभिन्न मतदान केंद्रों पर जाकर निरीक्षण किया है।तेंदूखेड़ा के बूथ क्रं 6 7 तथा 11 का अवलोकन भी किया।

तृतीय पुण्य स्मरण
स्वर्गीय - आशीष दुबे
जन्म -09/06/1989
देवलोकगमन 21/04/2021

" आज बेटा आपको शारीरिक रूप से गए 3 साल हो गए लेकिन आप हम लोगो के मन मे, जीवन मे चेतना शक्ति की तरह हमेशा रहोगे।
चिरकाल तक आपकी प्रतिक्षा मे।"
प्रेमानजली
शशि दुबे - उमेश दुबे (मम्मी-पापा), अनामिका बाजपेई - गुंजन बाजपेई (दीदी-जीजाजी) पूजा दुबे- आदित्य दुबे (भाभी-भैया) एवं समस्त दुबे परिवार
प्रतिष्ठान
1. Friens Era Food Outlet Narsinghpur
2. AD FILMS & ENTERTAINMENT
3. Digitalboon Technologies